महत्वपूर्ण एवं खास

ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार लोगों को मारी टक्कर, ट्रक की चपेट में आने से युवती की मौत

बलौदाबाजार (आरएनएस)। खरोरा-बलौदाबाजार मार्ग के ग्राम भैसा के पास कर्मा मोड़ पर सडक़ हादसा हो गया। एक ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में एक युवती की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग पेट्रोल पंप के कर्मचारी थे। वे अपने काम से लौट रहे थे। इस दौरान ट्रक की चपेट में आ गए। हादसे में बाइक सवार दो लोगों को मामूली चोटें आईं वहीं युवती के ऊपर ट्रक चढ़ जाने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद सडक़ जाम की स्थिति बनी हुई है।

मामूली विवाद को लेकर युवक के सीने में घोंपा चाकू

कोरबा (आरएनएस)। जिले में शराब दुकान के पास मामूली विवाद में चाकू के हमले से एक युवक बुरी तरह घायल हो गया है। युवक को इलाज के लिए जिला मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। मामला सीएसईबी चैकी थाना का है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया है और आरोपी युवक को तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक, ग्राम तिलकेजा निवासी डिगेश्वर वर्तमान में मुड़ापार स्थित किराए के मकान में रहता है। वह मूल रुप से भैसमा का रहने वाला है। डिगेश्वर शराब लेने के लिए टीपी नगर स्थित शराब दुकान गया हुआ था। जहां अधिक भीड़ होने के कारण शराब लेते समय आरोपी युवक के पैर में धक्का लग गया था। पैर में धक्का लगने की बात को लेकर विवाद करते हुए आरोपी युवक ने उसपर चाकू निकालकर उसके पेट में वार कर दिया। चाकू के वार में डिगेश्वर के सीने में चोट लगी। डीगेश्वर ने बताया कि वो निजी कंपनी में काम करता है और दिन भर काम करने के बाद शराब लेने टीपी नगर स्थित शराब दुकान गया हुआ था। इसके बाद युवक तड़पता रहा और आरोपी मौके से फरार हो गया।घटना के बाद अस्पताल ले जाने युवक लोगों ने मदद मांगता रहा लेकिन किसी ने उसकी मदद नहीं की। वहीं काफी समय बाद दो युवक आए जो उसे जिला मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे और इलाद शुरू हुआ। इसके बाद घटना की सूचना सीएसईबी चैकी पुलिस को दी गई, लेकिन तब तक घायल युवक को जिला मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया था।

हेलमेट पहनने से सड़क दुर्घटना में हमारी सुरक्षा की गारंटी

दुर्ग। दुर्ग जिले में दोपहिया वाहन चालकों की बड़ी संख्या है तथा सडक़ दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा क्षति दोपहियां वाहन चालकों एवं उनके परिवारजनों को होती है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार सडक़ दुर्घटनाओं से दोपहियां वाहन चालकों को होने वाली क्षति की रोकथाम के संबंध में अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी दुर्ग अरविन्द एक्का की अध्यक्षता में परिवहन विभाग, खाद्य विभाग एवं पेट्रोल पंप संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पेट्रोल पंप संचालक अपने परिसर में दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट की अनिवार्यता एवं हेलमेट नही तो पेट्रोल नही, के संबंध में बैनर प्रदर्शित करेंगे तथा बिना हेलमेट के पेट्रोल भराने आने वाले दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने पर ही पेट्रोल उपलब्ध कराये जाने की जानकारी देंगे। सभी दोपहियां वाहन चालकों से अपील की जाती है कि सडक़ दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहन चालकों को होने वाली क्षति की रोकथाम हेतु स्वयं बिना हेलमेट दोपहियां वाहन न चलावें, बिना हेलमेट पेट्रोल पंप में पेट्रोल भराने न जायें तथा अपने परिचितों को भी इस संबंध में जागरूक करें। आप सभी के सक्रिय सहयोग एवं जागरूकता से ही दोपहिया वाहन चालकों एवं उनके परिवार को दुर्घटनाओं में सिर पर लगने वाली चोट से बचाव संभव है। हेलमेट के उपयोग के लिए जागरूक करने हेतु पुलिस विभाग/यातायात शाखा द्वारा भी नियमित जांच एवं उल्लंघनकर्ताओं के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

गर्मी और ट्रेनों की लेटलतीफी से यात्री हो रहे बीमार

रायपुर । आरएनएस

गर्मी के मौसम में ट्रेन से यात्रा करना यात्रियों के लिए महंगा होता जा रहा है, क्योंकि लंबी दूरी की ज्यादातर ट्रेनें पांच से दस घंटे की देरी से आ और प्रस्थान कर रही हैं।

आजाद हिंद एक्सप्रेस अधिकतम 20 से 25 घंटे की देरी से आ और जा रही है। यह सिलसिला पिछले कई दिनों से चल रहा है। जिसके कारण सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्री गर्मी से बीमार हो रहे हैं. स्टेशन पर हर दिन कोई न कोई यात्री बीमार हो रहा है. स्टेशन पर ट्रेन के इंतजार में काफी भीड़ है. हालात ऐसे हैं कि प्लेटफॉर्म पर खड़ा होना भी मुश्किल हो रहा है.

गर्मी की छुट्टियों के चलते सभी एक्सप्रेस ट्रेनें खचाखच भरी चल रही हैं। देर होने के कारण लोगों को दोपहर से देर रात तक वेटिंग हॉल या प्लेटफार्म पर सोना पड़ता है। परिवार के साथ आए लोगों में सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है। रेलवे पिछले कई महीनों से ट्रेनों को समय पर नहीं चला पा रहा है. यात्रियों को स्टेशन पर चार से 13 घंटे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। शनिवार को भी यही स्थिति थी. हावड़ा, मुंबई, पुणे और दिल्ली से आने वाली ट्रेनें घंटों देरी से रेलवे स्टेशन पहुंचीं।

एक्सप्रेस ट्रेनों के समय पर नहीं पहुंचने से यात्रियों में आक्रोश बढ़ रहा है. भीषण गर्मी में भी इस बात को लेकर अधिक आक्रोश है कि रेल व्यवस्था बेपटरी हो गयी है. स्टेशन पर गर्मी से बचाव की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इसके बाद भी रेल प्रबंधन समस्या को दूर करने के बजाय बढ़ा रहा है.

इन ट्रेनों को रोजाना देरी का सामना करना पड़ता है

शुक्रवार की तरह शनिवार को सुबह की आजाद हिंद एक्सप्रेस 13 घंटे, हावड़ा-मुंबई दुरंतो नौ घंटे, मेल चार घंटे, रक्सोल समर स्पेशल नौ घंटे, योग नगर से ऋषिकेश जाने वाली उत्कल एक्सप्रेस चार घंटे देरी से पहुंची। . घंटे, उत्कल एक्सप्रेस चार घंटे, जबलपुर-संतरागाछी एक्सप्रेस 3.30 घंटे, विशाखापत्तनम-अमृतसर हीराकुंड एक्सप्रेस 3.30 घंटे, शालीमार-मुंबई चार घंटे, पुरी उधना स्पेशल 20 घंटे, रौनी गोंदिया एक्सप्रेस सात घंटे और मुंबई हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस लंबी देरी के कारण रद्द कर दी गई। है

अभी कोई राहत नहीं है

ट्रेनों के परिचालन की स्थिति से साफ है कि यात्रियों को कोई राहत नहीं मिलेगी. यात्रियों का कहना है कि भीषण गर्मी में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है, वहीं स्टेशन पहुंचकर ट्रेन का इंतजार करना भारी पड़ रहा है. आठ से 10 घंटे का सफर 15 से 20 घंटे में पूरा होने से हजारों यात्री परेशान हैं। सुबह की ट्रेनें शाम तक रायपुर स्टेशन पहुंच रही हैं।

रात प्लेटफार्म पर ही गुजरती है

गर्मी की छुट्टियों के कारण लगभग सभी एक्सप्रेस ट्रेनें फुल चल रही हैं। ट्रेनों के विलंब से चलने के कारण लोगों को दोपहर की गर्मी स्टेशन पर गुजारनी पड़ती है तो रात में प्लेटफार्म पर सोना पड़ता है.

कई महीनों से काम चल रहा है

अधिकांश यात्री इस बात से परेशान हैं कि ब्लॉक हो या न हो, ट्रेनें निर्धारित समय पर नहीं चलतीं, ट्रेनों की गति एक समान रहती है। हावड़ा-मुंबई और कटनी, बिलासपुर, रायपुर रेलवे लाइन पर ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं, यह सिलसिला कोई एक दिन का नहीं, बल्कि पिछले कई महीनों से चल रहा है. रेलवे अधिकारियों का तर्क है कि रेलवे के हर सेक्शन में इंफ्रास्ट्रक्चर का काम चल रहा है. इसके चलते आने वाले दिनों में सुविधाजनक बिलासपुर जोन में तीसरी और चौथी रेलवे लाइन तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है।

डीसीएम राकेश सिंह ने बताया कि जोन स्तर पर विभिन्न खंडों में तीसरी और चौथी रेलवे लाइन पर चल रहे काम के कारण ट्रेनें देरी से चल रही हैं. हालाँकि, इसमें काफी हद तक सुधार हुआ है। आने वाले दिनों में यात्रियों को भी इसका फायदा मिलेगा.

छत्तीसगढ़ सस्टनेबिलिटी एंड रिजनरेटिव डेव्हलपमेंट के मामले में बनेगा अग्रणी राज्य

- छत्तीसगढ़ विजन 2047 डॉक्यूमेंट तैयार करने वर्किंग ग्रुप की बैठक

रायपुर । आरएनएस

सस्टनेबिलिटी एंड रिजनरेटिव डेव्हलपमेंट के मामले में छत्तीसगढ़ को अग्रणी राज्य बनाने आज राज्य नीति आयोग में गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ के विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार करने के लिए वर्किंग ग्रुप के सदस्यों ने अपने विचार रखे। नया रायपुर स्थित राज्य नीति आयोग में हुई इस बैठक में सदस्यों ने इस विषय पर के लघु, मध्यम एवं दीर्घकालिक लक्ष्यों पर सुझाव दिए।

गौरतलब है कि विजन डाक्यूमेंट तैयार करने का उत्तरदायित्व राज्य नीति आयोग को सौंपा गया है। सितंबर 2024 तक विजन डॉक्यूमेंट का अंतिम रिपोर्ट तैयार करने की अपेक्षा की गई है इसके लिए अलग-अलग विषयों पर आठ वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। बैठक में राज्य नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव एवं सदस्य के. सुब्रमण्यम, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत और मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ धीरेंद्र तिवारी ने विभागों द्वारा बनाए गए लघु ,मध्यम एवं दीर्घकालिक विजन एवं रणनीतियों पर सुझाव दिए।

वर्किंग गुरप के सदस्यों ने जलवायु परिवर्तन के प्रति लचीले टिकाऊ सोसाइटी, विभिन्न सूचकांकों, एसडीजी सूचकांक, ऊर्जा और जलवायु सूचकांक, कार्बन फुटप्रिंट, कृषि, वानिकी, राज्य में स्थापित उद्योगों, भूमि, वायु, जल, अपशिष्ट और ऊर्जा पर प्रभाव का आंकलन, प्रौद्योगिकी संचालित अनुसंधान एवं विकास, सरकारी वित्त पोषण और निजी पूंजी निवेश, जागरूकता और संवेदनशीलता, पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करना, सामाजिक समानता को बढ़ावा देना, लोक कल्याण में वृद्धि सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव और सदस्य के. सुब्रमण्यम ने कहा कि हमेंअब सतत विकास के साथ साथ पुर्नयोजित विकास पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि दिनों दिन वन कम होते जा रहे हैं, जिसके कारण वनोपज का उत्पादन कम होते जा रहा है, जो चिंता का विषय है, वन महत्वपूर्ण क्षेत्र है जो विशेष ध्यान देने का विषय है। वनों के संरक्षण के लिए हमें स्पष्ट रोड मैप बनाने की जरूरत है। नदियों के आसपास लगातार माइनिंग हो रहा है जो चिंता का विषय है। हमें ग्रास लैंड को बचाना होगा इससे इकोसिस्टम बेहतर होगा और जैव विविधता संरक्षित होगी। हमें नवीकरण ऊर्जा पर ध्यान देना होगा। बैठक में वेस्ट मैनेजमेंट, लैंड फील साइट, रीसाइक्लिंग, सामाजिक भागीदारी, सिवरेज डिस्पोजमेंट विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सुशासन अभिसरण विभाग योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, खनिज संसाधन विभाग, ऊर्जा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, आवास एवं पर्यावरण विभाग वन संरक्षक भू प्रबंधन, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ नवीकरण ऊर्जा विकास एजेंसी, आयुक्त मनरेगा, संचालक पंचायत, छत्तीसगढ़ लघु वनोपज सहकारी संघ, कृषि किसान कल्याण एवं जैविक प्रौद्योगिकी विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी इनक्यूबेशन सेंटर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, सदस्य सचिव छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, संचालक नगर एवं ग्राम निवेश के अधिकारियों ने अपने विभाग के लक्ष्य, चुनौतियां एवं सामथ्र्य का प्रेजेंटेशन दिया।

अखंड सौभाग्य की कामना के साथ वट सावित्री हुई पूजा-अर्चना

कोरबा । आरएनएस

ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को परंपरागत विधान के साथ हिंदू धर्मावलंबी महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत रखा। वट वृक्ष की पूजा करने के साथ व्रतियों ने अखंड सौभाग्य की कामना की।

सुबह 4 बजे से कोरबा नगर और आसपास के क्षेत्र में पूजा का सिलसिला शुरू हुआ जो दोपहर बाद तक चला रहा। अपने आसपास के वट वृक्षों के चबूतरे में पहुंचकर महिलाओं ने समूह में बट सावित्री व्रत की पूजा की। नारियल सुहाग की सामग्री फल फूल अर्पित करने के साथ उनके द्वारा वृक्ष की परिक्रमा की गई। उसे मौली धागा भी बांधा गया। व्रत करने वाली महिलाओं ने इस अवसर पर कथा का श्रवण किया और जाना की सनातन काल से यह व्रत क्यों किया जा रहा है। अतीत में अपने पति सत्यवान को यमराज की पकड़ से मुक्त करने का काम सावित्री ने सतीत्व के दम पर किया था। तब से इसकी दुहाई दी जाती रही है।

कम समय में अधिक आय का झांसा देकर युवती से 6 लाख से ज्यादा की ठगी, शातिर ने एप डाउनलोड कराकर लगाया चूना

जशपुर । आरएनएस

कम समय में अधिक आय का झांसा देकर,अज्ञात आरोपित ने किशोरी से 6 लाख 80 हजार रूपये की आन लाइन ठगी कर ली। पीडिता के स्वजनों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर,पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार 15 वर्षिय किशोरी के इंटरनेट मिडिया वाट्सएप पर एक मैसेज आया, इसमें आरोपित ने कम समय में अधिक आय का लालच देकर,किशोरी को एक एप डाउनलोड करने को कहा। शातिर अपराधी के झांसे में आ कर, किशोरी ने एप डाउनलोड कर लिया। इस एप के माध्यम से आरोपित ने किशोरी से 1 हजार रूपये यूपीआई के माध्यम से मंगवाया और कुछ ही देर में उसे 13 सौ रूपये रिटर्न कर दिया।

किशोरी को अपने जाल में फांसने के लिए आरोपित ने अलग-अलग बैंक खाते में छोटी-छोटी रकम जमा कर और उसमें कुछ रूपये जोड़ कर,वापस कर,किशोरी को अपने जाल में पूरी तरह से जाल में फांस लिया। और उसे अधिक रकम भेजे जाने पर रकम दोगुना करने का लालच दिया। लालच में आ कर किशोरी ने अपनी मां की मोबाइल से 6 लाख 80 हजार रूपये भेज दिये। इसके बाद आरोपित के मोबाइल से मैसेज आना बंद हो गया। घटना की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ धारा 420 के अंर्तगत ठगी का अपराध दर्ज कर,मामले की जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ ने लहराया परचम

- चार खिलाड़ियों ने स्वर्ण पदक और तीन खिलाड़ियों ने जीता कांस्य पदक
- खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर । आरएनएस

राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में छत्तीसगढ़ के खिलाडिय़ों के शानदार प्रदर्शन पर खेल मंत्री टंकराम वर्मा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस चैम्पियनशिम में पदक प्राप्त करने वाले खिलाडिय़ों ने आज राजधानी रायपुर पहुंचकर खेल मंत्री वर्मा से उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। खेल मंत्री वर्मा ने खिलाडिय़ों का उत्साहवर्धन करते हुए सभी पदक प्राप्त करने वाले खिलाडिय़ों को बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने प्रतियोगिता में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले खिलाडिय़ों का उत्साह वर्धन कर उनका हौसला बढ़ाया। गौरतलब है कि असम के लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन के स्टेडियम तेपेसिया, गुवाहाटी में 25 से 30 मई 2024 तक म्यू थाई चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के 04 खिलाडिय़ों ने स्वर्ण पदक एवं 03 खिलाडिय़ों ने कांस्य पदक जीता है। म्यूथाई खेल को अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक से मान्यता प्राप्त है तथा पेरिस ओलंपिक-2024 में डेमोंसट्रेशन के रुप में शामिल किया गया है।

इस राष्ट्रीय चैपियनशिप में 29 राज्यों के लगभग 850 खिलाड़ी और अधिकारियो ने भाग लिया। राष्ट्रीय म्यू थाई चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता खिलाडिय़ों में राजकुमार, दिव्या अग्रवाल, तोषी पांडे और समिधा अग्रवाल का नाम शामिल है। इसी तरह कांस्य पदक विजेता खिलाडिय़ों में शुभांश मानिकपुरी, प्रवीण जायसवाल और अर्चित केशवानी शामिल है। इसके अलावा जय कुमार, आर्यन पटेल, भावजोत सिंग ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे।

इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित विवेकानंद मार्शल आर्ट्स फिटनेस क्लब,देवेंद्र नगर के 10 खिलाडिय़ों ने कोच अमन यादव जी के नेतृत्व में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सर्वाधिक 4 स्वर्ण पदक और 3 कांस्य पदक जीतकर छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन किया।

पत्नी का गैर मर्द से संबंध पति के लिए मानसिक क्रूरता : हाईकोर्ट

- तलाक के एक प्रकरण में कोर्ट ने की सुनवाई

रायपुर । आरएनएस

पत्नी का गैर मर्द से संबंध पति के लिए मानसिक क्रूरता है. विवाह में मानवीय भावनाएं शामिल होती हैं, यदि भावनाएं सूख जाएं तो उसके जीवन में वापस आने की संभावना नहीं होती.

बिलासपुर हाईकोर्ट ने तलाक के एक मामले में विशेष टिप्पणी करते हुए तलाक की अर्जी देने वाले पीड़ित पति की अपील स्वीकार करते हुए उक्त निर्णय दिया है। जानकारी के अनुसार रायगढ़ निवासी अपीलकर्ता की शादी 1 मई 2003 को हिन्दू रीति रीवाज से विवाह हुई थी. विवाह के बाद उनके तीन संतान हुए. पति काम से बाहर गया था, वापस लौटने पर उसने पत्नी को गैर पुरूष के साथ संदिग्ध परिस्थिति में देखा, पति के शोर मचाने पर परिवार के अन्य लोग भी आ गए. उस व्यक्ति को पुलिस को दिया गया. पुलिस ने कार्रवाई करने की बजाय पति को भविष्य में शांति से रहने की समझाइश देकर भेज दिया।

साल 2017 में पत्नी बच्चों को लेकर अपने मित्र के साथ रहने चली गई. पति उसे लेने गया लेकिन उसने आने से इनकार कर दिया. इस पर पति ने परिवार न्यायालय में तलाक के लिए आवेदन दिया. परिवार न्यायालय से आवेदन खारिज होने पर पति ने हाईकोर्ट में अपील पेश की. जहां जस्टिस गौतम भादुड़ी एवं जस्टिस राधाकिशन अग्रवाल की डीबी में सुनवाई हुई. डीबी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपने आदेश में कहा कि पत्नी ने व्यभिचारी कृत्य की है, जो कि क्रूरता के समान है. वैवाहिक बंधन में गंभीरता की आवश्यकता होती है. विवाह में मानवीय भावनाएं शामिल होती है और भावनाएं यदि सूख जाएं तो शायद ही जीवन में आने की कोई संभावना नहीं बचती है. पत्नी ने पुलिस के सामने यह स्वीकार किया कि वह व्यक्ति उसका स्कूल कॉलेज का दोस्त है, दोनों विवाह करना चाहते थे, किन्तु दोनों की जाति अलग होने से विवाह नहीं कर सके. उसने उक्त व्यक्ति से संबंध होने की बात भी स्वीकार की है. दोनों वर्ष 2017 से अलग-अलग रह रहें. विवाह विघटित हो चूका है, इसे किसी भी परिस्थिति में पुनर्जीवित नहीं किया जा सकता है. हाईकोर्ट ने पति की अपील को स्वीकार किया है।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छतीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छतीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवका, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यका, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए ....
न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

देश के जाने-माने विशेषज्ञों के साथ आईआईएम रायपुर में बौद्धिक परिचर्चा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

- सुशासन के लिए होगा आईटी का इस्तेमाल पारदर्शी और जवाबदेही प्रशासन के लिए ठोस रणनीति बजट में 266 करोड़ रुपए का प्रावधान

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ में विष्णु देव की सरकार सुशासन लाने के लिए आईटी का बड़े पैमाने में इस्तेमाल करेगी। जनकल्याणकारी योजनाओं से मॉनिटरिंग से लेकर वित्तीय प्रबंधन करों की वसूली, भूमि संबंधी रिकार्ड के पंजीयन, संधारण और संशोधन सहित सभी जरूरी क्षेत्रों में आईटी का इस्तेमाल होगा। सरकार द्वारा लोगों तक शासकीय योजनाओं की पहुंच का दायरा बढ़ाने के साथ ही प्रशासन को मजबूत और पारदर्शी बनाने के लिए ठोस पहल करने जा रही है। सरकार के बजट में इन सभी विषयों को शामिल किया गया है। जनकल्याणकारी योजनाओं की मॉनिटरिंग के लिए अटल डैशबोर्ड की शुरूआत की गई है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री साय की पहल पर हाल में ही देश के जाने-माने विशेषज्ञों के साथ आईआईएम रायपुर में दो दिनों तक बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सुशासन तथा नागरिक अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी उपायों का चर्चा की गई। वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में रायपुर-भिलाई सहित आसपास के क्षेत्रों के स्टेट कैपिटल के रूप में विकसित कर विश्व स्तरीय आईटी सेक्टर तैयार करने का लक्ष्य है। सभी विभागों में आई.टी. के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए 266 करोड़ का प्रावधान किया गया है। नवा रायपुर, अटल नगर में लाईवलीहुड सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस एवं दुर्ग जिले में सेंटर ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप स्थापित करने का लक्ष्य है। स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए इन्यूबेशन सेंटर की स्थापना तथा बी.पी.ओ. एवं के.पी.ओ. को आकर्षित करने के लिए आई.टी. पार्क की स्थापना की भी योजना है। नवा रायपुर में आई.टी. आधारित रोजगार सृजन हेतु 'प्लग एण्ड प्ले' मॉडल का विकास किया जायेगा, इससे आर्थिक विकास एवं रोजगार सृजन के नये अवसर विकसित होंगे। बजट में छत्तीसगढ़ सेंटर फॉर स्मार्ट गवर्नेन्स की स्थापना सहित प्रदेश के 168 नगरीय निकायों में ई.गवर्नेन्स के तहत बजट एण्ड अकाउंटिंग मॉड्यूल स्थापित करने के प्रावधान शामिल किए गए हैं। 47 नगरीय निकायों में प्रॉपर्टी सर्वे किये जाने हेतु त्रढ्ढस् आधारित सॉफ्टवेयर तैयार किया जायेगा। शासकीय धन के आय.व्यय की दैनिक निगरानी के लिए एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली) प्रारंभ की जायेगी। पीएम वाणी के अंतर्गत प्रथम चरण में एक हजार ग्राम पंचायतों में वाई.फाई के माध्यम से हॉट-स्पॉट इंटरनेट सुविधा दी जाएगी। वस्तु एवं सेवाकर के संकलन में सुधार एवं पारदर्शिता के लिए राज्य मुख्यालय में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट की स्थापना की जायेगी। वस्तु एवं सेवा कर संबंधी अपीलीय मामलों के त्वरित निराकरण हेतु अधिकरण की स्थापना की जाएगी।

भूमि एवं भवनों का हस्तांतरण तथा अन्य विविध पंजीकृत संव्यवहार हेतु राष्ट्रीय सामान्य दस्तावेज पंजीकरण प्रणाली सॉफ्टवेयर का उपयोग सभी जिलों में लागू किया जायेगा।